

मेरे सर पे झुंझनवाली चुनरिया डाल के रखती है

दिखलाये ये जोर बदरिया कितना बरसती है,
मेरे सर पे झुंझनवाली चुनरिया डाल के रखती है |

चुनड़ी की छाँव में रहते बरस कई बीत गए जी,
सर से कभी हटे ना चुनड़ी, इतना हम सीख गए जी,
इस चुनड़ी के रहते मुसीबत छू नहीं सकती है,
मेरे सर पे झुंझनवाली चुनरिया डाल के रखती है |

दिखलाये ये जोर बदरिया कितना बरसती है,
मेरे सर पे झुंझनवाली चुनरिया डाल के रखती है |

**** Incomplete lyrics ****

भजन गायक - सौरभ मधुकर

स्वर : [सौरभ मधुकर](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1297/title/dikhlaye-ye-jor-badariya-kitna-barasti-hai-Rani-Sati-Dadi-bhajan-with-hindi-lyrics-by-Saurabh-Madhukar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |